

विश्व न्याय मन्दिर

6 अगस्त 1996

प्रिय बहाई मित्र,

मित्रों के द्वारा 'चार वर्षीय योजना' के उत्साहपूर्ण प्रत्युत्तर के हम तक पहुंच रहे समाचार से हम अत्यधिक प्रसन्न हैं। विशेषकर, सब जगह राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभाओं के प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना और मानव संसाधनों के प्रणालीबद्ध विकास के प्रयास आशाप्रद हैं। राष्ट्रीय व क्षेत्रीय संस्थानों की संख्या, तीव्रता से बढ़ रही है और यह संकेत मिल रहे हैं कि 'योजना' के प्रथम वर्ष की समाप्ति तक, विश्व में सौ से अधिक संस्थान कार्यशील हो जायेंगे। हम यह आशा संजोते हैं कि, इन सीखने के केन्द्रों में, प्रत्येक से अनुयायियों के सदा बढ़ते हुए दल निकलेंगे, जो प्रभुधर्म की व्यापक शृंखला में सेवायें देने के योग्य होंगे, इस प्रकार प्रत्येक देश में समूहों के द्वारा प्रवेश की प्रक्रिया को जारी रखने की क्षमता उत्पन्न होगी।

कुछ राष्ट्रीय समुदायों की आर्थिक स्थिति ऐसी है कि संस्थान प्रारंभ से ही स्वावलम्बी हो सकते हैं। किन्तु, अधिकतर समुदाय उनके प्रशिक्षण संस्थानों के संचालन से संबंधित खर्च नहीं उठा सकते। इन खर्चों में शामिल हैं, पाठ्यक्रमों की सामग्रियां, शिक्षण व कार्यालय की सामग्रियां, पत्र-व्यवहार, उपकरणों का रख-रखाव और कभी-कभी विद्यार्थियों का परिवहन व्यय और उनके भोजन व ठहरने का व्यय।

फिर भी, कई देशों के संस्थानों के बजट का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मद, प्रशिक्षण की गतिविधियों का समन्वय करने, तथा केन्द्रीय स्थान पर और आस-पास के नगरों व गांवों में पाठ्यक्रम चलाने के लिये पूर्णकालिक व अंशकालिक कर्मचारियों की आर्थिक सहायता है। इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हमने रिज़वान संदेश में बहाउल्लाह के इस आह्वान कि अनुयायियों को अपनी ऊर्जा ईश्वर, के धर्म के प्रसार के लिये केन्द्रित करना चाहिये और 'उनके' इस आदेश की ओर ध्यान आकर्षित किया था: "जो भी इस इतने उच्च आह्वान के योग्य है उसे उठ खड़े होकर, इसका प्रचार करने दो, जो अमसर्थ है, यह उसका कर्तव्य है कि वह उसे नियुक्त करे जो कि उसके बदले इस प्रकटीकरण की उद्घोषणा करे....." तब हमने कहा था कि, एक संस्थान में सेवा दे रहे शिक्षक की प्रतिनियुक्ति करना, इस जिम्मेदारी को वहन करने का एक तरीका होगा और बताया था कि, मित्र 'महाद्वीपीय बहाई कोष', साथ ही इस उद्देश्य के लिये स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कोषों में, योगदान दे सकते हैं।

इस महत्वपूर्ण विकास को संवेग देने के लिय हमने अभी यूएस डॉलर 300,000 का योगदान दिया है, जिसे प्रत्येक महाद्वीप की परिस्थिति अनुसार, पांच महाद्वीपों में बांटा जाता है। यद्यपि यह राशि आवश्यकता का एक अंश मात्र है, हमारी यह आशा है कि मित्र, विशेषकर जो सम्पन्न हैं, वे इस कार्य का अनुसरण करेंगे और इस अत्यन्त महत्वपूर्ण आवश्यकता पर पर्याप्त ध्यान देंगे। क्योंकि प्रत्येक देश की वित्तीय आवश्यकता भिन्न होती है, सम्पूर्ण विश्व के विभिन्न क्षेत्र में, प्रतिनियुक्ति के स्तर की आवश्यकता बनाने के लिये महाद्वीपीय सलाहकार सर्वाधिक उपयुक्त स्रोत होंगे। हम उन्हें अपने सहायक मण्डल सदस्यों को इस जानकारी से अवगत कराने के लिये कह रहे हैं जिससे वे, जो इस विश्वव्यापी अत्यावश्यक उद्यम में अपना योगदान देना चाहते हैं, उन्हें सलाह दे सकें।

प्रेमपूर्ण बहाई अभिनन्दन के साथ,

(हस्ताक्षर: विश्व न्याय मन्दिर)